ཐུགས་རྗེ་ཆེ་ཞིང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱིས་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ།

ཐུགས་རྗེ་ཆེ་ཞིང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱིས་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ།

ཐུགས་རྗེ་ཆེ་ཞིང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱིས་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱབ་པ་ཡིན་ཏེ།

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བཟུང་བ་ཡི་ཕྱིར་རོ། །

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ།

སྐྱེས་བུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི།

སྐྱེས་བུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་

ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཐམས་ཅད་

ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་

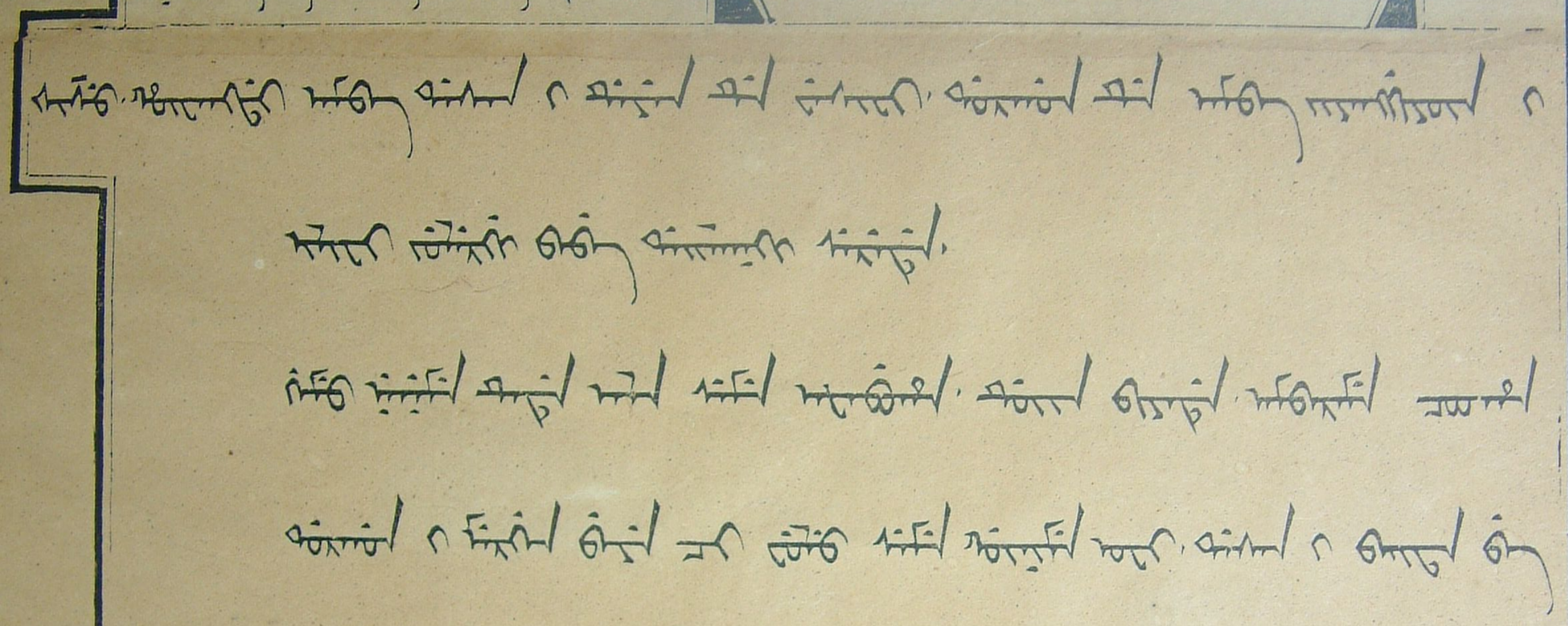
དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་

དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་དག་

པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་དག་པར་

རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་

པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་



ھمارے ہاں کوئی، جو بھی سیاسی یا مذہبی جماعت بنانا چاہتا ہے، اس کا
پہلا کام یہ ہوتا ہے کہ وہ اپنے ساتھ کچھ ایسے لوگ جمع کرتا ہے، جو
اس کی ہر بات پر واہ واہ کریں، اس کی ہر بات پر سر دھنیں، اس کی
ہر بات کو اپنے لیے حرفِ آخر سمجھیں، اس کے ہر فیصلے کو اپنے
لیے حکم کا درجہ دیں، اس کے ہر اشارے پر اپنی جان نچھاور کرنے
کے لیے تیار ہو جائیں، اور اس کے ہر دشمن کو اپنا دشمن سمجھیں،
خواہ اس دشمن کا اپنا کوئی قصور ہو یا نہ ہو، اور اس کے ساتھ
ہمدردی کا کوئی جذبہ اس کے دل میں موجود ہو یا نہ ہو۔ اس

"ਸੁਖਮਨੀ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਸਾਰਅੰਸ"

ਸੁਖਮਨੀ ਸਾਹਿਬ ਬਾਣੀ ਦਾ ਸਾਰ ਅੰਸ਼ ਹੈ ਜੋ ਸਾਰੇ ਸਿੱਖ ਰੋਜ਼ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹਨ।

ਸੁਖਮਨੀ ਸਾਹਿਬ ਬਾਣੀ ਦੀ ਰਚਨਾ ਗੁਰੂ ਅਰਜਨ ਦੇਵ ਜੀ ਨੇ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੁੱਲ ਚੌਵੀ ਪਉੜੀਆਂ ਹਨ।

ਹਰੇਕ ਪਉੜੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਲੋਕ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਣੀ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਭੂ ਦੀ ਭਗਤੀ ਦੀ ਮਹਿਮਾ ਗਾਈ ਗਈ ਹੈ।

ਇਸ ਬਾਣੀ ਵਿੱਚ ਸਾਧ ਸੰਗਤ ਦੀ ਮਹਿਮਾ ਵੀ ਗਾਈ ਗਈ ਹੈ।

قبیلہ عسکر بلوچ میں ایک بڑا قبیلہ ہے۔ یہ قبیلہ کوہ سلیمان کے مشرقی علاقوں میں آباد ہے۔ اس قبیلہ کی تعداد تقریباً ۳۰ ہزار ہے۔ اس قبیلہ کے لوگ زیادہ تر کاشتکاری کرتے ہیں۔ کچھ لوگ مویشی بھی پالتے ہیں۔ اس قبیلہ کے لوگ بہت بہادر ہوتے ہیں۔ یہ لوگ اپنی عزت اور آبرو کی خاطر جان دینے سے بھی دریغ نہیں کرتے۔ اس قبیلہ کے لوگ بہت مہمان نواز ہوتے ہیں۔ یہ لوگ اپنے مہمان کی بہت عزت کرتے ہیں۔ اس قبیلہ کے لوگ بہت محنتی ہوتے ہیں۔ یہ لوگ اپنے کام میں کبھی سستی نہیں کرتے۔ اس قبیلہ کے لوگ بہت ایماندار ہوتے ہیں۔ یہ لوگ کبھی جھوٹ نہیں بولتے۔ اس قبیلہ کے لوگ بہت صاف ستھرے ہوتے ہیں۔ یہ لوگ اپنے گھر اور اپنے کپڑوں کو بہت صاف رکھتے ہیں۔

ميڤ هيلمر هيتيم ، جيتيها وڤا هسڤو.

وسڤو.

هيڤهيها ڤحم هيجوهم هيتسڤيڤ د هوهيو، سڤيم ڤيتيم جيتيها وڤسم د هيسر

ميڤ، هيعم ميم د تسعدر ستكم هيتيم وتكيڤ، هيسر ميڤد سڤيتر

هيڤسم هيهم هيلم ستكم تسڤيهم وتكيڤ، ڤيتيم سعيب ڤا هيڤيم

عيهڤ عر هيڤيم سڤا هوا تسفيا ڤا هشڤيم ڤيتيها، هيعمر ستكم

تعسيم وتكيڤ، هيجها هيجسم د هيجسر هيجيم ڤا هيڤيم هوم هيڤيم،

جيهوم هيڤيميها د هيجعميم ستكم هيجم وتكيڤ، سعيب ڤا هيڤيم

ههین سر د سرد ههیتهیز همللتههیم. همعر وتکیم. ینا رهیم د عصهم میههیم

هیشر بو وا مجیمیش. سرم نیما وینا وا حیشش سفیم مر. همو

میتو سهر سرهد وفیمیها. تسیهم وتکیم. همعم وا حیشهر حیسیم وا

ریهیمیش. هیدیم وا مجیمیها. همعمر ستتر سمدر وتکیم.

میشیا همللتیوں وا میسهیم ینا رهیم د یم بو وا میسیم پیتها مر. ینا

رهیم د عصهم، وسیم سفیا د همللتس وا سجدم وا. همو سهر

میم ریمدن، وصها مر جیم وسم. همیم وتکیم. ینا رهیم د عصهم

میدهو مر پیتها مر.

مصنوعی دسمہ ہی ملا ملیم پیدا ہوتا ہے۔ جانور ہی سے حاصل
ہوتے ہیں۔ پیڑ پودے ہی سے ملتے ہیں۔ کپڑا، کاغذ، جوتا
کوئلہ ہی سے بنتا ہے۔ لوہا ہمیں کانوں سے ملتا ہے۔ کانوں
میں ہی سونا، چاندی، تانبا، سیسہ، پیتل اور کوئلہ ملتا ہے۔
پہاڑ دیکھنے ہی سے پتا چلتا ہے کہ ہمارے ملک میں کتنی
قسموں کی زمین ہے۔ کہیں ریت ہے، کہیں کنکر ہیں، کہیں
چٹانیں ہیں۔ کہیں مٹی ہے۔ کہیں پتھر ہیں۔ کہیں
سونا ہے، کہیں چاندی ہے، کہیں لوہا ہے۔ یہ سب کچھ
ہمیں پہاڑ ہی سے ملتا ہے۔

ᠮᠣᠩᠭᠣᠯ ᠪᠢᠴᠢᠭ ᠬᠡᠯᠡᠨ ᠤ ᠰᠤᠷᠪᠤᠯᠵᠢ ᠰᠤᠨᠢᠵᠤ ᠪᠠᠶᠢᠭᠤᠯᠬᠤ ᠵᠠᠭᠰᠠᠯ ᠤᠨ ᠬᠤᠷᠠᠯ ᠤᠨ ᠲᠡᠮᠳᠡᠭᠯᠡᠯ

中央民族學院圖書館藏